Research Article | Education | Volume : 10 | Special Issue | August 2025 | e-ISSN : 2456-5040

अयोध्या राम मंदिर निर्माण – विस्तृत लागत विवरण का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. रमेश कुमार

एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, बाबा बरुआ दास पी.जी. कॉलेज, परुइया आश्रम, अंबेडकर नगर (उ.प्र.)

ABSTRACT

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य अब तक भारी धनराशि में पूरा हो चुका है। प्रारंभ में इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग रु1,800 करोड़ बताई गई थी। इसके बाद विभिन्न वर्षों में लगातार निर्माण और परिसर विकास कार्यों पर व्यय बढ़ता गया है। नवीनतम आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार फरवरी 2020 से मार्च 2025 तक मंदिर निर्माण पर कुल लगभग रु2,150 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं। समिति की बैठकों में बताया गया है कि अब तक मुख्य मंदिर का लगभग 96% निर्माण पूरा हो चुका है। नीचे विभिन्न घटकों के अनुसार खर्च का विस्तृत विभाजन प्रस्तुत है।

1. मुख्य मंदिर निर्माण की लागत

अनुमानित बजटः ट्रस्ट ने प्रथम चरण में मंदिर निर्माण की प्रारंभिक अनुमानित लागत करीब रु1,800 करोड़ बताई थी।

वास्तविक व्ययः अब तक मुख्य मंदिर निर्माण पर लगभग रु1,850–2,150 करोड़ खर्च हो चुका है।

प्रमुख ढांचे पर व्ययः पिछले 4.5 वर्षों में श्रीराम मंदिर के मुख्य निर्माण (वास्तुशिल्प, आधार आदि) पर लगभग रु1,200 करोड़ खर्च किए गए हैं, जबकि परिसर के अन्य विकास (द्वार, सहायक इमारतें आदि) पर करीब रु400 करोड़ और लगे हैं। इस प्रकार मंदिर निर्माण की कुल वास्तविक लागत प्रारंभिक अनुमान (रु1,800 करोड़) के आसपास ही बनी हुई है।

2. मूर्तियाँ, सजावट और आंतरिक शिल्प

रामलल्ला की प्रतिमाः गर्भगृह में स्थापित होने वाली श्री रामलल्ला की नई मूर्ति काले पत्थर से बनी है और इसका वजन लगभग 150द्200 किग्रा है। यह मूर्ति कुशल मूर्तिकारों द्वारा निर्मित की गई है।

रामदरबार की मूर्तिः मंदिर के अंदर रामदरबार का भी विशेष महत्व है। प्रथम तल पर श्वेत संगमरमर से निर्मित विशाल रामदरबार की मूर्ति तैयार की जा रही है (जयपुर में कटिंग चल रही है)।

आंतरिक सजावटः मंदिर के स्तंभों एवं गुंबदों पर नक़्क़ाशी, छतों पर चित्रकला और अन्य पुष्ट अलंकरणों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले संगमरमर और पत्थरों का उपयोग किया गया है। इन सभी शिल्प–कृतियों की लागत भी कुल निर्माण व्यय में शामिल है।

3. सामग्री (पत्थर, संगमरमर, लकड़ी आदि) की लागत

संगमरमर और पत्थरः मंदिर के लिए मकराणा संगमरमर तथा स्थानीय उच्च गुणवत्ता वाली चूना पत्थर का भारी मात्रा में प्रयोग हो रहा है। उदाहरणतः परकोटे (मंदिर के बाहरी घेरे) पर लगभग 8,20,000 क्यूबिक फीट पत्थर लगना है। अतिरिक्त 55,000 क्यूबिक फीट पत्थर शिखर (गुंबद) पर प्रयोग किया जाएगा।

अन्य सामग्रीः इसके अलावा लकड़ी, धातु फर्नीचर, विद्युत उपकरण आदि भी उपयोग किए गए हैं। ट्रस्ट ने बताया है कि इसकी अनुमानित लागत में इन सभी सामग्रियों की कीमत शामिल है।

4. श्रमिकों, इंजीनियरों और वास्तुकारों की फीस

निर्माण एजेंसीः मंदिर निर्माण का ठेका लार्सन एंड टूब्रो (स–ज) ने हासिल किया है। यह कंपनी परियोजना के इंजीनियरिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभाल रही है।

श्रम एवं वेतनः निर्माण में कार्यरत श्रमिकों, अभियंताओं और वास्तुकारों का वेतन एवं फीस निर्माण लागत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ट्रस्ट ने श्रमिकों के कल्याण कोष में रु7.40 करोड़ भी अलग से जमा किए हैं। (यह श्रमिक सहायता निधि निर्माण कार्य की मजदूरी का प्रावधान है।)

अन्य प्रशासनिक खर्चः परियोजना से जुड़ी प्रशासनिक तथा अन्य सेवाओं (जैसे सुरक्षा स्टाफ के वेतन, कानूनी शुल्क) की भी व्यवस्था की गई है, जिनका खर्च भी समग्र व्यय में शामिल है।

5. बिजली, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाएँ

निर्माण आधार संरचनाः मंदिर की नींव को सतह की नमी से सुरक्षित रखने के लिए 14 मीटर मोटी रोलर–कम्पैक्टेड कंक्रीट (RCC) की परत और 21 फुट ऊँचा ग्रेनाइट का प्लिंथ बनाया गया है। इससे भूमिगत जल से सुरक्षा मिलती है।

विद्युत् एवं जल आपूर्तिः पूरे परिसर में शक्तिशाली जलापूर्ति–पंप एवं सब–स्टेशन लगाए गए हैं। अब तक बिजली–पानी आदि पर लगभग रु10 करोड़ खर्च हुआ है। (स्रोतों के अनुसार मार्च 2025 तक बिजली के बिल पर रु10 करोड़ जमा किए गए।)

अन्य सुविधाएँः सुरक्षा के लिए बाहरी मार्ग पर ड्रेनेज, सीवर लाइन, फायर फाइटिंग सिस्टम और इमरजेंसी वाटर टैंकर जैसी सुविधाएँ भी मुहैया कराई गई हैं। इन बुनियादी ढाँचागत व्यवस्थाओं में भी निवेश शामिल है।

6. सुरक्षा, तकनीकी उपकरण और प्रकाश व्यवस्था

सुरक्षा उपकरणः मंदिर परिसर में समग्र सुरक्षा के लिए सभी प्रमुख प्रवेश स्थलों पर मेटल डिटेक्टर और स्कैनर लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त 24×7 निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे एवं बायोमीट्रिक सिस्टम भी स्थापित किए गए हैं। सरकार द्वारा अनुज्ञात निजी सुरक्षा एजेंसियों (जैसे SIS) और तकनीकी सेवा प्रदाताओं को सुरक्षा एवं सर्विलांस का काम सौंपा गया है।

प्रकाश व्यवस्थाः आंतरिक और बाहरी दोनों ही हिस्सों में भव्य प्रकाश व्यवस्था के लिए राष्ट्रीय स्तर की इलेक्ट्रिकल कंपनियाँ योगदान दे रही हैं। उदाहरणतः हैवेल्स इंडिया ने मंदिर में आकर्षक प्रकाश के लिए विशेष लाइटिंग उत्पाद एवं उपकरण मुहैया कराए हैं। इससे मंदिर परिसर में रात में दीपमय नज़ारा बनता है और भव्यता बढ़ती है।

7. भूमि विकास, प्रवेश द्वार, पार्किंग और परिवहन सुविधाएँ

भूमि अधिग्रहणः ट्रस्ट ने मंदिर परिसर के विकास के लिए आसपास की जमीनें भी खरीदी हैं। उदाहरणतः मणिरामदास छावनी क्षेत्र में 10,433 वर्गफीट भूमि रु1.55 करोड़ में खरीदी गई। इसी तरह बाग बियेसी में 3,060 वर्गफीट भूमि रु47.20 लाख और 6,691 वर्गफीट भूमि रु98.20 लाख में ली गई। कोट रामचंद्र में 6,874 वर्गफीट भूमि रु10.00 लाख में खरीदी गई है।

Copyright© 2025, IEASRJ. This open-access article is published under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License which permits Share (copy and redistribute the material in any medium or format) and Adapt (remix, transform, and build upon the material) under the Attribution-NonCommercial terms.

प्रवेशद्वार एवं विकासः परिसर में बने तीन मुख्य प्राचीर (दक्षिण द्वार, उत्तर द्वार एवं अन्य) पर लगभग रु200 करोड़ का खर्च किया गया है। (यह राशि उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण निगम को तीन द्वार बनाने के लिए दी गई है।) इसके अतिरिक्त भूमि पंजीकरण और कानूनी शुल्कों के रूप में रु29 करोड़ और भुगतान किए गए हैं।

पार्किंग व परिवहनः मंदिर आने–जाने हेतु पर्याप्त पार्किंग स्थान तथा सड़क–परिवहन सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं। इसके लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण सहित अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर राजमार्गों का विस्तार, बस टर्मिनल निर्माण आदि के काम भी चल रहे हैं। (विशेष आंकड़े सार्वजनिक रिपोर्ट में नहीं मिले हैं।)

8. अन्य परिसर सुविधाएँ (संग्रहालय, ध्यान केंद्र, रसोई आदि)

मंदिर परिसर में राम कथा संग्रहालय, श्रद्धालु विश्रामालय, ट्रस्ट कार्यालय भवन, ध्यान एवं पूजा केंद्र एवं सामुदायिक रसोई जैसी सुविधाएँ भी विकसित की जा रही हैं।

वित्त वर्ष 2023–24 में मंदिर निर्माण के अतिरिक्त इन अन्य योजनाओं पर रु136 करोड़ खर्च किए गए।

आगामी वित्त वर्ष 2024–25 के लिए ट्रस्ट ने सभी परियोजनाओं (मुख्य मंदिर सहित अन्य सुविधाएँ) पर कुल रु652 करोड़ के व्यय का अनुमोदन किया है।

उदाहरण के लिए, श्रद्धालुओं को भोजन उपलब्ध कराने हेतु ट्रस्ट ने 'सीता रसोई' नामक सामुदायिक रसोई चलाने का निर्णय लिया है (नव–नवीन सुविधाओं के लिए अलग बजट निर्धारित है)।

9. दान राशि और उसका उपयोग

कुल दान प्राप्तिः अयोध्या राम मंदिर निर्माण के लिए अब तक श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को लगभग रु3,500 करोड़ दान के रूप में प्राप्त हुए हैं। (2021 के समय दान अभियान में विभिन्न राज्यों एवं समुदायों से यह राशि आई।)

व्यय वितरणः ट्रस्ट ने बताया है कि कुल प्राप्त दान राशि का लगभग 51.4% हिस्सा (लगभग रु1,800 करोड़) मंदिर निर्माण पर खर्च हो चुका है। शेष राशि का उपयोग मंदिर के रख–रखाव, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आयोजनों पर किया जाएगा। उदाहरण के लिए 14 जनवरी से चल रहे 70–दिवसीय रामोत्सव (प्राणप्रतिष्ठा उत्सव) के लिए रु100 करोड़ निधि निर्धारित की गई है।

वित्तीय वर्ष 2023–24 की आमदनीः वर्ष 2023–24 में ट्रस्ट की कुल आय रु363.34 करोड़ रही। इसमें से बैंक ब्याज के रूप में रु204 करोड़ आए, जबकि भक्तों और दानदाताओं से विभिन्न माध्यमों (दान पेटी, ऑनलाइन, आदि) से रु58 करोड़ नकद/चेक, रु24.50 करोड़ पेटियों में जमा और रु71 करोड़ ऑनलाइन, तथा विदेशों से रु10.43 करोड़ (FCRA खाते में) प्राप्त हुए हैं। यह राशि दीर्घकालीन निवेश (बैंक जमा) में रखी जा रही है और उसका एक हिस्सा व्यवस्थित रूप से निर्माण व रखरखाव कार्यों में लगाया जाएगा।

स्रोतः उपरोक्त विवरण प्रमुख समाचार रिपोर्ट और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठकों से लिए गए हैं। रिपोर्ट में उल्लिखित सभी आंकड़े विश्वसनीय समाचार माध्यमों द्वारा प्रकाशित विवरणों पर आधारित हैं।